DETAILS EXPLANATIONS

Paper Code : RPSCEE06 | : RPSCCE06 | RPSCME06

[अनुभाग-अ]

1. **(क)** (i) जलोर्मि (ii) उच्चारण
(ख) (i) सुर + ईश (ii) इति + आदि

2. **(क)** (i) चिड़ीमार (ii) नीलकंठ
(ख) (i) राजा का कुमार (ii) शक्ति के अनुसार

3. **(क)** (i) उप–उपग्रह, उपनेत्र, उपदिशा
(ii) अव–अवकृपा, अवगुण
(ख) (i) प्रति (ii) अनु

4. **(क)** (i) इक–शारीरिक, पारिवारिक, धार्मिक दैनिक।
(ii) ता–उदारता, सफलता, सुन्दरता मूर्खता।
(ख) (i) भारत (ii) बच्चा

5. **(क)** (i) स्त्री–सुन्दरी, कान्ता, कलत्र, वनिता, नारी, महिला, अबला, औरत।
(ii) घोड़ा–हय, तुरंग, घोटक, हरि बाजि, सैन्धव।
(ख) (i) उचित–अनुचित (ii) यश–अपयश

6. (i) आदि – प्रारम्भ आदी–अभ्यस्त
(ii) प्रसाद – कृपा प्रासाद–महल

7. (i) आशुतोष (ii) मितभाषी
(iii) अस्तबल (iv) चंपू

8. (i) श्रीमती (ii) द्वारका
(iii) दवाइयाँ (iv) प्रतिनिधि

9. (i) हत्यारे को मृत्यु दंड मिला।
(ii) इस रहस्य को प्रकट मत करना।
(iii) यहाँ गाय का शुद्ध दूध मिलता है।
(iv) बुरा वक्त आने पर लोग घबरा जाते है।

10. (i) चाँदी का जूता – रिश्वत/घूस देना।
प्रयोग : इस युग में जिसे भी चाँदी का जूता मारोगे, वही तुम्हारा काम कर देगा।

(ii) अंगार उगलना–अत्यंत रोषपूर्वक कडी और कड़वी बातें कहना।
प्रयोग : लंबी बीमारी से उसका स्वभाव चिडचिड़ा हो गया था, सीधी बात कहने पर भी वह अंगारे उगलने लगता है।

(iii) काठ का उल्लू होना–वज्र मूर्ख।

प्रयोग : अपने से पूछो ना, तुम्ही ने मुझे काठ का उल्लू बना दिया है।

(iv) बांछे खिलना–अत्यधिक खुशी होना।

प्रयोग : चुनाव में बहुमत मिलने से नेताजी की बांछे खिल उठी।

(v) घाट–घाट का पानी पीना–बहुत अनुभवी होना।

प्रयोग : हिन्दी भाषा वहीं अध्यापक पढ़ा सकता है। जिसने घाट–घाट का पानी पिया हो।

(vi) उल्टी गंगा बहाना–क्षमता के प्रतिकूल कार्य करना।

प्रयोग : राहुल को गणित पढ़ाना उल्टी गंगा बहाने के समान है।

(vii) एक आँख से देखना–सब को एक सा समझना और उनके साथ एक–सा व्यवहार करना।

प्रयोग : हमारी माता हम सब भाइयों को एक आँख से देखती है।

(viii) दाँत खट्टे करना– परास्त करना।

प्रयोग : 1965 के युद्ध में भारत ने पाकिस्तान के दाँत खट्टे कर दिए।

11. निम्नलिखित लोकोक्तियों का वाक्यों में प्रयोग द्वारा अर्थ स्पष्ट कीजिए– (कोई चार)

(i) बोया पेड़ बबूल का, आम कहाँ से होय।

व्यक्ति को अपने कर्मो का परिणाम भुगतना ही पड़ता है, यदि वह कर्म अच्छे करेगा तो परिणाम अच्छा आएगा और बुरे करेगा, तो परिणाम बुरे आएगें।

प्रयोग : सोहन ने बच्चों को अच्छे संस्कार तो दिए नहीं, जब एक लड़का जेल चला गया तो पछताने लगा।

(ii) बासी बचे न कुत्ता खाय।

आवश्यकता से अधिक चीज न बनाना जिससे कि खराब न हो।

प्रयोग : रामू के यहाँ तो रोज जितनी चीजों की जरूरत होती है उतनी ही आती है।

(iii) मन चंगा तो कठौती में गंगा।

मन जो काम करने के लिए अन्त: करण से तैयार हो वही काम करना चाहिए।

प्रयोग : मुझे हरिद्वार जाने को जरूरत नहीं है मेरा मन चंगा होगा तो कठौती में गंगा होगी।

(iv) चंदन की चुटकी भली, गाड़ी भरा न काठ।

महत्त्व की वस्तु थोडी ही अच्छी है।

प्रयोग : बाहर का खाना खाने की बजाय घर का थोड़ा ही खाना अच्छा होता है।

(v) ऊँची दुकान फीके पकवान।

केवल ऊपरी दिखावा करना।

प्रयोग : मिठाई की बड़ी दुकानों में मिलावटी मिठाई मिलने से यह पता चलता है की, ऊँची दुकान फीके पकवान।

(vi) जल में रहकर मगर से बैर।

किसी के आश्रय में रहकर उससे शत्रुता मोल लेना

प्रयोग : कुछ कश्मीरी युवकों ने पुलमावा हमले में पाकिस्तान का पक्ष लेकर जल में रहकर मगर से वैर लिया है।

(vii) दाख पके तब काग के होय कंठ में रोग।

कर्महीन वस्तु को भली वस्तु का भोग नहीं मिलता है।

प्रयोग : सीमा मेहनत तो बिल्कुल नहीं करती, लेकिन प्रशासनिक अधिकारी बनने की इच्छा रखती है।

(viii) आठ बार नौ त्योहार

मौज–मस्ती का जीवन।

प्रयोग : सरकारी नौकरी में जीवन आठ बार नौ त्योहार की तरह व्यतीत होता है।

12. निम्नलिखित अंग्रेजी शब्दों के समानार्थक हिन्दी शब्द लिखिए– (कोई 4)

(i) बकाया (ii) नैसर्गिक न्याय

(iii) विक्रेता (iv) युद्ध विराम

(v) जनसंख्या (vi) राहत देना

(vii) निवेश प्रमाण पत्र या आधार पत्र (viii) प्रारूप

❍❍❍